गलतियन

1 पौलुस की जौन मनइन की तरफ ते अउर न
मनइन ते वरन् यीसु मसीह अउर परमेसुर बाप
ते जउन मरन हुवन मा ते वहिका जियाइन परेरित
हवै। 2अउर सबन भाइयन कइ तरफ ते जउन
हमरे साथइ हइ गलतियन की कलीसिया कइ
नाम।

3परमेसुर पितउ अउर हमार परभु यीसु मसीह की
तरफ ते तुम सबन कइ अनुगरह अउर सान्ती मिलत
रहय। 4इह परमेसुर ने अपन आपु कइ हमार पापन
खातिर दइ दिहिन, जिहि ते हमार परमेसुर अउर
पितउ कइ इच्छा के अनुसारु हमइ इह वरतमान मं
बुरे संसार ते छुड़ाय। 5वहि की अस्तुती अउर महिमा
जुग जुग तलक होवत रहै, आमीन।

दूसर सुसमाचारु नाही

6मोहि का अचरज होवत हइ कि जउन तुमहिन
मसीह कइ अनुगरह ते बोलाइन। वहिका तुम
यतनी जल्द भुलाइ कइ फिरी कइ अउर ही परकार
कइ सुसमाचारु की तरफ झुकि गयो। 7मुला वहि
दूसर सुसमाचारू होइ ही नाही सकत, पर बात
इह हवै कि कितने अइसन हवै जउन तुमहिन
घबराइ देत अउर मसीह कइ सुसमाचारु क बिगारा
चाहित हय। 8मुला यहि हम या सरग ते कउनउ
दूतौ नाहीं सुसमाचारू का छांड़ि, हम तुमका सुनाइ
हइ, कउनउ अउर सुसमाचारु तुमका सुनाइन हइ।
तौ वहिका सराप लागी। 9जइस हम पहिलेन ते
कहित रहेन वइसन अब फिर कहित हइ, कि उइ
सुभ समाचारु कै छोड़ि कइ जउन तुम स्वीकारु
कइ लीहेउ जदि कोऊ अउर सुसमाचारु सुनाई देत
तौ वहि सरापित होई। का अब तलक मनइन का
मनावत रही, या परमेसुर का? जउन हम मनइन
को परसन्न करिन चाहित हय।

10जदि हम अब तलक मनइन का ही परसनु
करित हइ, तउ मसीह का दासु न होइ सकत।

परमेसुर ते पौलुस का बुलावा

11हे भाइन लोगन हम तुमहिन क जताइ देत हइ,
कि जउन सुसमाचारु हम सुनाई हय, वहि मनई ते
नाई होइ सकत। 12काहे ते वहि हमका मनइ केर
ओर ते नाई पहुंची अउर न हमका सिखाय गवा हय,
अउर वहि गयान परभु यीसु मसीह का परकास ते
मिली।

13यहूदी धरम मं जउन पहिलेन हमारु चाल चलन
रही तुम सुन चुकी होउ, कि हम परमेसुर की कलीसिया
का बहुत ही सतइहैं। अउर नासु करत रही। 14अउर
अपन बहुत ते सह करमिन ते जउन हमार अवस्था
क रही, यहूदी धरम मं बढ़त रही। अउर अपन बाप
दादा केर बेवहारन म बहुत ही उत्तेजित रही। 15मुला
परमेसुर का जउन हमार महतारी के गरभै ते हमका
ठहराई अउर अपन अनुगरह ते बुलाइ लिहिन। 16जबै
इच्छा भइ कि हम म अपन बेटवा केर परगट कइ कि
हम दूसर धरम म वहिका सुसमाचारु सुनाई तो न
मासु अउर लोहू ते सलाह लेई। 17अउर न यरुसलेम
का उइ के पास गवा, जउन हमते पहिलेन प्यासा
रही। मुला इ अरब का चलि गवा। अउर फिरि वहीं
ते दमिसक लउटि आवा।

18तीन बरसन बाद हम फिर भयांट खातिर यरुसलेम
गयेन अउर उन्हीं के साथै पन्दरह दिनन तक रहै।
19मुला परभु कइ भाई याकूब का छाँड़ि अउर च्यालन
मा ते कोऊ ते भ्याँट नाहीं किहिन। 20जउन बातन
हम तुमहिन का लिखिन, द्याखौ परमेसुर का उपस्थिति
जानि कइ कहित हन, कि उइमा झूठि नाहीं हवै।
21फिर हम सूरया अउर किलकिया कई देसन मा
आइन। 22मुला यहूदिया की कलीसियन ने जउन
मसीह मा भई उन्हौ हमार मुंहु नाहीं द्याख। 23मुला
ई सुनित रहिन कि जउन हमार पहिलेन सतावा रहा,
वही अब धमु क्यार सुसमाचारु सुनावति हइ, जेहिका
विनासु पहिलेन करित रहै। 24अउर हमार बारे मा
परमेसुर की महिमा करित रहे हय।

पौलुस केर परेरित ते अपनउब

2 चौदह बरसन कइ बादि हम बरनबासु कइ साथे
फिर यरुसलेम का गवा रहा, अउर तीतुस कौ
साथे लइ गवा। [2]अउर हमार जाना इस्वरीय परकासु
कह अनुसारु भवा। अउर जउन सुसमाचारु हम दूसर
धरम वालेन मा परचारु करित रहै, उइका हम उइते
बताइ देई, पर अकेले म उनहिन का जउन बड़े
समझत रहै, जो कि अइसन नाई होई कि हमार इह
समय की या अगली दौड़ धूप बेकारि ठहरि जाय।
[3]मुला तीतुसौ जउन हमार साथ रहैं, अउर जउन यूनानी
हयं, खतना करिन खातिर बिवसु नाहीं किहिन। [4]अउर
उइ झूठे भाइयन कइ खातिर जउन चोरी ते घुसि आइन
रहै कि उइ आजादी का जउन मसीह यीसु मा हमें मिली
हय, भेंटि लेई केर हमका दास बनाई रहै। [5]उइ कइ
अधीन होइके स्वीकारु हम एकु घरी भर नाई मानिन, ई
खातिर सुसमाचारु की सच्चाई तुइ मा बनी रहै।

[6]फिर जउन लोग कछु समझी जात रहै वह चाहे
कइसन ही रहै हम का ई ते कुछ कामु नाहीं, परमेसुर
कउनेउ का पच्छपातु नाहिन करिन हइं। उनते जउन
कुछौ समझत रहै, हमका कुछौ नाई मिली रहै। [7]ई के
बिपरीत उइ ने द्याखा कि खतना कीन हुएन लोगन
कइ खातिर सुसमाचारू क काम पतरस का सौंपि
गवा, वइसइ ही खतना न भए वालेन के खातिर
हमका सुसमाचारु सुनाए क सौंपा गवा है। [8]काहे ते
जउन ने पतरस ते खतना लिहिन उइ लोगन मं
परेरताई क कामु बड़े परभाव सहित करवाइ गवा।
उइ ने हमतौ दूसर धरम वालेन म परभाव साली काम
करवाइन हय। [9]अउर जबै उइ लोगन ने उइ अनुगरह
का जउन हमका मिलत रहै। जान पाइत तौ याकूब
अउर कैफा, अउर यहुन्ना ने जउन कलीसिया कइ
खम्भा समझति जात है। हमका अउर बरनवास को
दाहिना हाथ दइ केर साथ करि लिहिन, कि हम दूसर
धरम मानन वालेन, के पास जाइत, अउर वह खतना
कीन हुवन कइ पास। [10]केवल ई कहित रहै हम
कंगालन कइ सुधि लै, अउर इह काम कइ करेन का
हम आपौ यतन करि रहै हय।

पौलुस, पतरस क सामना

[11]जबै कैफा अन्ताकिया मं आवा, तउ हमने उइ
कइ मुहु पर उइका सामना किहिन रहा। काहे ते वही
दोसी ठहराई रहा। [12]ई खातिर कि याकूब की ओर ते
कितने लोगन कइ आवन ते पहिले उइ दूसर धरम
वालेन कइ साथेइ खावा करित हय, मुला जबै उइ
आइन रहै तउ खतना किहिन रहै, लोगन केर डेराई
कइ मारे उनते हटि गवा, अउर किनारा करइ लागि।
[13]अउर उन कइ पास यहूदिनौ ने कपटु किहिन इहां
तक बरनबासौ उनहिन कइ कपट मं परि गवा।

[14]पर जबै हम द्याखा कि उइ सुसमाचारु की
सच्चाई पर सीधी चाल नाहीं चलि, तौ हम सबन
कइ सामने कैफा ते कहिसि, जबै तू यहूदी होइकइ
दूसर धरम मानेन वालेन की तरह नाहीं तो तुइ दूसरि
जातिन को यहूदिन की तरह चलइ का काहे कहित हइ।

[15]हमहूं जनम ते ही यहूदी है, अउर पापी दूसर
धरम मानेन वालेन मा ते नाहीं हन। [16]हम तुमका
बताइ देइ कि मनई बेवस्था कइ कामन ते नाहीं, पर
केवल यीसु मसीह मा बिसवासु करि कइ धरमी
ठहरीं। ई कारन बेवस्था केर कामन ते कोऊ परानी
धरमी नाई होवत।

[17]हम जउन मसीह मा धरमी ठहरावा जाई चाहीं
तउ यदि ऊ खुदै ही पापी निकरै, तऊ का मसीहौ
पापी होई हैं? नाहीं, कबहूं नाहीं। [18]काहे ते कि जउन
कुछ हम गिराइ डारेन, यदि उहि कौ फिर बनावत
हइ, तौ अपन आप को दोसी ठहराइत हइ। [19]हम तौ
बेवस्था कइ खातिर मरि गयेन कि परमेसुर की खातिर
जी सकैं। [20]हम मसीह कइ साथइ मा क्रूस मा चढ़ाई
गवा, अउर अब हम जीयत नाहीं रहै, हम तो
परमेसुर मा जीयत हइं। अउर हम सरीर मा अब
जउन जीयत हइ जउनु परमेसुर कइ बेटवा पर हइं,
जउन हमते परेम किहिन हइं अउर हमारि खातिर
अपनु आपु खातिर अपनि आपु का दइ दिहिन।
[21]हम परमेसुर कइ अनुगरह का बेकार नाहीं ठहरावत।
काहे ते यदि बेवस्था केर कारन धरमिकता होवत हइ,
तौ मसीह का मरना बेकार होइ जात।

बिसवासु अथवा बेवस्था केर कामु

3 अइ निबुद्धि गलतियन लोगन, कउनउ तुमका
अपन बस मा कइ लिहिन? तुम्हार अंखियन
कइ समुहैं, तउ मसीह का क्रूस पर देखाया गया।
[2]हम तुमते इतनइ कहित हइ, का तुमहिन आतमा का
बेवस्था कइ कामन ते पइहइ? यहु बिसवासु कइ
समाचारु ते पावा हइ। [3]का तुइ अइसन निरबुद्धि
होउ, कि आतमा की विधि पर सुरु करिकै, अब सरीर
की विधि पे अन्त करिहौ! [4]का तुम इतनइ पीड़ा जो ही
सह लिहिन पर हइ कबहुं अकारथु नाहीं। [5]सो जउन
आतमा तुमहिन दानु करिन, अउर तुइ मा सामरथ कइ
काम करत हइ, वहि का बेवस्था कइ कामन ते या
बिसवासु कइ सुसमाचारु ते अइसन करावत हइं।

[6]अबराम तो परमेसुर पे बिसवासु किहिन, अउर ई

वहि कइ खातिर धारमिकता ठहरी। [7]अब तुम्हुं भली भांति ते समझि लिहौ, जउनु बिसवासु कनि वालेइ हइ तेही अबराम की सन्तानु हइ। [8]अउर पवित्तर सास्तर मा पहिलेन ही ते जनि केर कि परमेसुर दूसर धरम वालेन का बिसवासु ते धरमी ठहराइत हइ, पहिलेन ही ते अबराम का ई समाचारु सुनाइ दिहिन कि तुम म सबइ जातिन आसीसु पाइन। [9]जो जउनु बिसवासु करिन, वाले हइ, उइ बिसवासी अबराम कइ साथ असीसु पावत हइ।

[10]सो जेतनइ लोगन बेवस्था कइ कामन वे बिसवासु करित हइ, वै सबन सराप कइ आधीन हइ, काहे के इह तई लिखिस हइ कि जउन बेवस्था किताबन मा लिखिस हइ सबन बातन कइ कारन मा इसथिर नाहीं रहत, उइ सरापित हई। [11]ई बात परगट हइ, कि बेवस्था कइ माध्यम ते परमेसुर कइ इहां कोऊ धरमी नाहीं ठहरत हइ, काहे ते धरमी जन बिसवासु ते जीयत हइ। [12]पइ बेवस्था का बिसवासु ते कुछ सम्बन्धु नाहीं पइ जउन उइन का मानित हइ, वहि उइ कइ कारन जीयत हइ। [13]मसीह ने जउनु हमार खातिर सरापित बनि, हमहूं मोल लइ केर बेवस्था कइ सराप ते छुड़ाई, काहे ते लिखा हइ, जउन कोऊ काठ पे लटकाई जात हइ, वहि सरापित होई। [14]काहे ते अबराम कइ असीस यीसु मसीह मा दूसर धरम वालेन तक पहुंचे, अउर हम बिसवासु कइ कारन वहि आतमा का पराप्त करि जिही की परतिग्या हुई हइ।

बेवस्था अउर वाचा

[15]ये भाइयन हम मनइन की विधिन पे कहित हइ, कि मनई की वाचौ जउन पक्की होइ जात हइ, तउ न काऊ वहि टाल सकत हइ, अउन न वहि मा कुछु बढ़ति हइ। [16]निदान परतिग्या न अबराम का अउर उइ कइ बंस का दिहिन गई, उइ ई नाई कहति हइ, कि बंसन का जइसन एक कइ बारे मा कहि गयेन, पै जइसन एक कइ बारे मा कि तोहार बंसन का अउर वहि मसीह हइ। [17]दह हम कहित हइ, कि जउन वाचा परमेसुर ने पहिलेन पक्की किहिस, रहै, वहि केइ बेवस्था चार सौ तीस बरसन कइ बादि आइ केर नाहीं तालि देइ, कि परतिग्या अकारथ ठहरी। [18]काहे के यदि मीरास बेवस्था ते मिली हइ, तो फिर परतिग्या ते नाई, मुला परमेसुर ने अबराम का परतिग्या कइ दुआरा है दीन हइ।

[19]तबै फिर बेवस्था का रही? उइ तउ दोसन कइ कारन बादि मा दीन गवा, कि उइ वस कइ आवै तक रहै। जेहिका परतिग्या दीन गवा रहा। अउर वहि सरग दूतन कइ हाथ ठहराइन गइन। [20]बिचउलिया तउ एकु का नाहीं होतु, मुला परमेसुर एक ही हइ।

[21]तऊ का, बेवस्था परमेसुर कइ परितिग्यन कइ विरोधु मा हइ? कबहूँ नाहीं होइ सकत, काहे ते यदि अइसन बेवस्था दीन जात जउनु जीवनु दइ सकत, तउन सचमुच धरमिकता बेवस्था ते होत। [22]मुला पवित्तर सास्तरन ने सबन का पाप कइ अधीन करि दिहिन। जाकी ई परतिग्या जउन का अधर यीसु मसीह पर विसवासु करति हइ।

[23]बिसवासु कइ आवे ते पहिले बेवस्था की अधीनता मं हमारि रखवाली होत रहेन, अउर उइ बिसवासु कइ आने तक जउन परगट होवन वाले हइ, हम उइ कइ बन्धन मा रहेन। [24]ई खातिर बेवस्था मसीह तक पहुंचाइन का हमार सिच्छक हुइन हइ कि हम बिसवासु ते धरमी ठहरीं। [25]मुला जबै बिसवासु आइ चुकी, तो हम सब सिच्छकन कइ अधीन नाई रहै।

परमेसुर केर बेटवा

[26]काहे ते तुम सबन उइ बिसवासु करिन कइ दुआरा जउनु मसीह यीसु पइ हंई, परमेसुर कइ सन्तान होऊ। [27]अउर तुम मा ते जितनन ने मसीह मा बपतिसमा लिहिन हइ, उन्होंने मसीह यीसु का पहिचान लिहन हंइ। [28]अब न तो कोऊ यहूदी रहा अउर न यूनानी ना कोऊ दास न आजाद न कोऊ नर, व नारी, काहे ते तुम बसन मसीह मा एकु होव। [29]अउर यदि तुम मसीह कइ होऊ, तो अबराम कइ बंसज अउर परतिग्या कइ मुताबिक वारिसौ होइ गवा।

4 बात ई हइ कि वारिस जब तलक छोटु लरिका रहै, अउर सब चीजन का मालिक रहै, अउर उइमा, अउर दासन मा कउनउ भेदु नाहीं। [2]मुला पितउ कइ ठहराइन हुएन समय तक सिक्छकन अउर भंडारिन कइ बस मा रहत हइ। [3]वइसनइ हमहूँ जब लरिका रहै, तउ संसार की पुरानी सिच्छा कइ बस मा होइ कै दासन बने रहै। [4]पर, जब समय पूर होइ गवा तउ परमेसुर ने अपै लरिका का भेजि रहै। जेहिका जनमु एकु अउरत ते भवा अउर बेवस्था कइ तहत जनमा [5]उइ बेवस्था कइ आधीन लोगन का मोलु लइकइ छुड़ाइ लै, अउर हमका लेपाक होवन का पद मिलै। [6]अउर तुम जउन बेटवा होउ इह खातिर परमेसुर ने अपन बेटवा कइ आतमा का जउन ए अब्बा, ए पितउ कहि करि पुकारित हइ, हमार मन मा भेजिहइं। [7]ई खातिर तुइ अबै दास नाहीं मुला बेटवा हइ, अउर जबै बेटवा भवा, तो परमेसुर कइ दुआरा वारिसौ भवा।

गलतियन केर खातिर पौलुस चिन्तित

[8]भला तबौ तौ तुम परमेसुर का नाहीं जानित वहि कइ दास रहै, जउन सुभाव ते परमेसुर नाहीं। [9]पइ अबै जउन तुमने परमेसुर का पहिचानित हइं। वरन परमेसुर ने तुइका पहिचान लीन हइ, तो उइ निरबल अउर निकम्मी पुरान सिच्छा की बातन की ओर काहे फिर रहे हउ। जउन कइ तुम दुआरा होवन चाहति हउ। [10]तुम दिनन, अउर मास, अउर नियत समयन, अउर बरसन कउ मानित हउ। [11]हम तुमरे बारे मा डेराइत हइ, कि कहीं अइसन नाहीं होऊ कि जउन मेहनत हमे करेन हइ उइ बेकार ना ठहरे।

[12]ऐ भईयन हम तुमते विनती करित हय। तुम हमार समान होइ जाओ काहे ते हमहूँ तुमार समान हई। तुम हमार कुछ नाहीं बिगाड़ी। [13]तुइ जानित हइ कि पहिले पहिल हमने सरीर की निरबलता कइ कारन तुमहीं न सुसमाचारु सुनाई। [14]अउर तुमने हमार सारीरिक दसा का जउन तोहार परिच्छा का कारन हइ, तुच्छ न जान उइ मा घिरना की, अउर परमेसुर कइ दूत वरन मसीह कइ समान हमहूं गरहन किहिन। [15]तउ उइ तुम्हार खुसी मनावत कहां गवा? हम तोहार गवाह रहै, यदि होइ सकत हइ, तुइ अपन आँखि निकारि कइ हमहूं का दइ देइ। [16]तउ का तुमते सही ब्वालै के कारन हम तोहार बैरी बन गयन।

[17]तोहार मितर तो बनना चाही हइ, भलमन्साहत ते नाहीं, हमका तुमते अलग करिन चाहित हइ, जेहिते उइ का मितर बना लीन्हों। [18]इह भला हइ कि भली बातन मा हर समय साथी बनावै का यतन कीन जाइ, न केवल उसी समय जबै हम तोहार साथी रहित हइ। [19]ऐ हमार लरिकन जबै तलक तुममा मसीह का रूप न बनि जाई तबौ तलक हम तोाहर खातिर जच्चा जइस पीरा सहित हइ। [20]इच्छा तौ ई होतु हइ, कि अब तोहार साथ आइ कइ अउरै परकार ते बुलाऊं काहे ते तोहार बारे मा हमें अन्देसा हइ।

हाजरा अउर सारा

[21]तुम जउन बेवस्था कइ अधीन होइ चाहित हउ हमते कहौ, का तुम बेवस्था की नाहीं सुनत हउ। [22]ई लिखिस हइ, अबराम कइ दोऊ बेटवा भवा, एकु दासी ते एक आजाद औरत ते। [23]जउन दासी ते भवा, उइ सारीरिक विधि ते जनमा आय, जउन आजाद औरत ते भवा, उइ परतिग्या ते जनमा

[24]ई बातन मा उदाहरनु इ, ई औरतन मानों दुइ वाचायन हइ एकौ सीना पहारु की, जेहिते दास ही जनम लेत हइ, अउर उइ हाजरा भई। [25]हाजरा मानौ अबर की सीना पहारु हइ, अउर जउन आज का यरुसलेम कइ सन्तान हइ, कहिकइ उइ अपन लरका समेत दास हइ। [26]पर ऊपर कइ यरुसलेम आज भी आजाद हइ, अउर उइ हमरी महतारी हइ। [27]जेहिका लिखिसि हइ, कि ऐ बांझ तुइ जउन नाहीं जानित खुसी करौ तुइ जेहिका पीर नाई उठति गला खोलि कइ जय जयकार करौ, काहे ते त्यागिन गयन की सन्तान, सुहागिन की सन्तानौ ते बढ़िके हइ।

[28]ऐ भाइयन हम इसहाक की तिना परतिग्या की सन्तान हइ। [29]अउर जइसन उइ समय सरीर कइ मुताबिक जनमा हइ, आतमा कइ मुताबिक जनमे हुएन का सताया रहै वइसन अबौ भी होवत है। [30]मुला पवित्तर सास्तरन कहित हइ, दासी अउर उइ कइ बेटवा का निकारि दै। काहे के दासी का बेटवा अजाद औरत कइ बेटवा कइ साथ वारिस नाई होइत हइ। [31]ई खातिर ए भाइयन, हमहूं दासी कइ नाहीं वइ आजाद औरतु का बेटवा हइ।

यीसु म आजादी

5 मसीह ने अजादी कइ खातिर हमका आजाद किहिन, उइमा दिढ़ रहै का चाहीं अउर दासता कइ हल मा फिर ते ना जुतौ।

[2]द्याखौ हम पौलुस तुमते कहित हइ, यदि खतना कराइ लिहौ, तो मसीह ते तुमका कउनउ लाभ नाहीं होइहइं। [3]तबहूं हम हर एकु खतना कराए वालेन का जताइ देइत हइ कि उइका सारी बेवस्था मानइ परिहैं। [4]तुम जउन बेवस्था कइ कारन धरमी कहावा चाहति हइ, मसीह ते अलग अउर अनुगरह ते गिर गयन होई। [5]काहे ते आतमा कइ कारन हम विसवासु ते आसा कीहेन, धारमिकता की बाट जोहत रहत हइं। [6]अउर मसीह यीसु मा न खतना, न बिना खतना कुछ काम का हइ, पर बिसवासु का जउन परेम ते परभाव करति हइं।

[7]तुम तौ भली–भांति दउरत रहौ, अब कउन तुमका रोकि दिहिन, कि सच का नाई मानौ। [8]अइसन सीख तो घर बुलावै वालेन की ओर ते नाहीं। [9]थोरा साथ खमीर सारे गूँथे भए आँटन को खमीर बना डारत हइ। [10]हम परभु पर तोहार बारे मा भरोसा राखत हइ, कि तोहार कउनउ दूसर बिचार नाहीं होइहैं। मुला जउन तोहार डराइ देइत हइ, वहि कोऊ काहे न होऊ उइ दंडु अवसि पाई। [11]पर एं भाइन यदि हम अब तलक सतावइ जात रहा, फिर तो क्रूस की ठोकर जात रही। [12]नीक होत कि जउन तुमका

बहका रहन हइ, उइ सबन कहि डारे जात रहे हइं।
13ए भाइयन, तुम अजाद होइ के खातिर बुलावा
गयन हइ, वरन अइसन नाहीं होइ, कि ई आजादी
सारीरिक कामन कइ खातिर अवसरु बने, वरन परेम
ते एक दूसरे कइ दास बनौ। 14काहे ते सारी बेवस्था
ई एकु उ बात मा पूर हइ जात हइं, कि तुइ आपन
परोसी ते अपन समान परेम रक्खी। 15पर यदि तुम एकु
दूसर का दांत ते काटत अउर फारि खात हइं। तउ
चउकस रहौ, कि एक दूसर क सत्यानासु नाहीं कर देइ।

आतमा ते जीवनु

16पर हम कहित हइ आतमा कइ मुताबिक चलै,
तउ तुम सरीर की लालसा कउनउ रीति ते पूर नाहीं
करिहौ। 17काहे ते सरीर आतमा कइ विरोधु मा अउन
आतमा सरीर क विरोधु मा लालसा करि हइ, अउर
दुनउ एकु दूसरि कइ विरोधी हइ। ई खातिर कि जउन
तुम करन चाहत हउ वहि नाई करि पइहौ। 18अउर
यदि तुम आतमा कइ चलाई चलत हइ, तो बेवस्था
कइ अधीन नाहीं रहेन।
19सरीर क कामु तउ परगट हइ, यानी व्यभिचारु,
गन्देकामु, लुचपनु। 20मूरति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा
ईरसा, किरोध, विरोध फूट, विधरम। 21डाह, मतवालपन,
लीला, खेलु अउर ई कइ अइसन अउरु काम हइ, ई
कइ बारे मा हम तुमका पहिलेन ते कहि देइत हइ,
कि अइसन अइसन कामु करिन वालेन परमेसुर कइ
राज कइ वारिस नाई होइ हइं।
22पर आतमन कइ फलु परेम, अनन्द, मेलु,
धीरज। 23किरपा, भलाई, बिसवासु नमरता, अउर
संजमु हइ, अइसन अइसन कामन कइ विरोधु मा
कउनउ बेवस्था नाहीं। 24अउर जउनु मसीह यीसु कइ
हइं, उनहिन सरीर को उइकी लालसन अउर अभिलासनु
समेत क्रूस पइ चढ़ा दिहिन हइ। 25यदि हम आतमा
कइ दुआरा जीयत हइं तो आतमा कइ मुताबिक चलै
भी। 26हम घमंडी होइ केर नाहीं एक दूसरे क छेड़े,
अउर ना एक दूसर ते डाह करिन।

सबके खातिर भला करौ

6ऐ भाइयन यदि कउनउ मनई कउनइ अपराध मा
पकरा भी जाय, तो तुम जउन आतमिक होई,
नमरता कइ साथे अइसन का सम्हालो अउर अपने
भी चउकस रहो कि तुम भी परिच्छा मा न पड़ों।
2तुम एकु दूसरे कइ बोझु उठाउ, अउर ई परकार
मसीह की बेवस्था का पूरा करी। 3काहे ते यदि कोऊ
कछु नाहीं होइन पइ भी अपन आपु का कुछ समझत
हइ, तो अपन आपका धोखा देइत हइ। 4पर, यदि हर
एकु मनइ अपनइ काम का जांचि लै अउर तब दूसर
कइ बारे मा नाहीं पर अपन ही बारे मा उइका घमंड
करिन का अवसरु होइ गयन। 5काहे ते हर एकु मनई
अपन बोझु उठाइ रहै हइं।
6जउनु बचनु की सिच्छा पावति हइ, वहि सब
भली बस्तुन मा सिखायवालेन का भगी करैं।
7धोखा नाहीं खावो, परमेसुर ट्ठन मा नाहीं उड़ाई
जात काहे क मनई जउनु कछु बोइत हइ वहि वो
काटत हइ। 8काहे ते जउनु अपन सरीर कइ खातिर
बोइत वहि सरीर कइ दुआरा विनास की कटनी
काटत हइ। अउर जउन आतमा कइ, खातिर बोवत
हइ, उइ आतमा कइ दुआरा अनन्त जीवन की कटनी
काटत हइ। 9हम नीक काम करिन मा हियाव नाहीं
छोड़े। काहे ते यदि हम ढीलेन होई तो ठीक समय
पर कटनी काटत रहै होई। 10ई कारन जहां तलक
मौका मिले हम सब कइ साथे भलाई करै। विसेस
कई के बिसवासी भाइयन कइ साथ।

खतना नाहीं मुला नवा सिरिस्टी

11द्याखौ, हम कइस बड़े–बड़े अच्छरन मा तुमका
अपन हाथ ते लिखिस हइं। 12जितने लोगन सारीरिक
दिखावा चाहत हइं, वहि तोहार खतना करिन वालेन
कइ खातिर दबाव दै देयत हइ, केवल इह खातिर
की वहि मसीह कइ क्रूस कइ कान सताई नाई जात
रहै हइं। 13काहे ते खतना करन वालेन खुदै तो
बेवस्था पइ नाहीं चलत हइं पइ तोहार खतना करावा
ई खातिर चाहित हइं कि तोहरी सारीरिक दसा पइ
घमंड करैं। 14पइ अइसन नाहीं होई कि हम अउर
कउनउ बात का घमंडु करी केवल हमार परभु यीसु
मसीह कइ क्रूस का जउन कइ दुआरा संसार हमरी
नजर मा अउर हम संसार की दिरिस्टी मा क्रूस पइ
चढ़ावा गवा रहे। 15काहे ते न खतना अउर न खतना
रहित कछु है मुला नबी सिरिस्टी है। 16अउर जितनन
ने ई नियम पर चलत रहै उइ पइ, अउर परमेसुर कइ
इसराएल पइ, सान्ती अउर दया होइत रहै।
17आगे ते हमका कोऊ दुख न दे, काहे ते हम
यीसु कइ दागन का अपन देह मा लेवत फिरत हइं।
18ऐ भाइयन हमार परभु यीसु मसीह केर अनुगरह
तोहार आतमा कह साथे रहै। आमीन।